भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.06.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 719 का उत्तर

कोट्टयम में कोचिंग टर्मिनल

719. श्री थॉमस चाछीकादनः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेल बजट 2012 में दक्षिण रेलवे के कोट्टयम (केटीवाईएम) में एक कोचिंग टर्मिनल की स्थापना का प्रस्ताव था तथा यदि हां, तो परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है तथा इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ख) क्या दक्षिण रेलवे के कोट्टयम स्टेशन पर प्रस्तावित द्वितीय प्रवेश (उत्तर की ओर) पर तीर्थयात्रियों हेतु विशेषकर सबरीमाला तीर्थयात्रियों हेतु कोई परिसर बनाने का प्रस्ताव है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) दक्षिण रेलवे के एट्टूमनूर (ईटीएम) कोट्टयम (केटीवाईएम)-चिंगवनम (सीजीवी) खंड पर चालू मार्ग दोहरीकरण कार्य को पूरा करने की लक्षित दिनांक क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

Sk

कोट्टयम में कोचिंग टर्मिनल के संबंध में 26.06.2019 को लोक सभा में श्री थॉमस चाछीकादन के अतारांकित प्रश्न सं. 719 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): वर्ष 2011-12 के रेल बजट भाषण में की गई घोषणा के आधार पर, कोट्टायम में कोचिंग टर्मिनल के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट अप्रैल 2012 में स्वीकृत किया गया था। सर्वेक्षण के अनुसार, 2014-15 के दौरान इस प्रस्ताव के लिए रिपोर्ट तैयार की गई थी, कोट्टयम में प्रस्तावित टर्मिनल के निर्माण की लागत (-)1.24% के प्रतिफल की दर से 148.67 करोड़ रु. आंकी गई थी। प्रस्तावित कार्य से संबंधित सर्वेक्षण रिपोर्ट की जांच की गई है। बहरहाल, इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाया जा सका क्योंकि कोट्टयम में कोचिंग टर्मिनल का विकास परिचालनिक तौर पर अपेक्षित नहीं पाया गया है।

(ख): मौजूदा तीर्थयात्री शेल्टर में नए एक्जक्यूटिव लाउंज के प्रावधान सहित 2 करोड़ रु. की लागत से एक नए तीर्थयात्री केन्द्र का निर्माण करने की योजना बनाई गई है।

(ग): 26.54 किमी लंबा कुरूप्पानतरा-चिंगावनम का दोहरीकरण कार्य 2007-08 में स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना की अद्यतन प्रत्याशित लागत 457 करोड़ रु. है और मार्च, 2019 तक 305.19 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। इस परियोजना से संबंधित कार्य में तेजी लाने के लिए, 2019-20 के दौरान 85 करोड़ रु. के बजट परिव्यय की व्यवस्था की गई है।

कुरूपपनतारा-इत्तुमनुर के लिए 8 किमी लंबे खण्ड को मार्च, 2019 में चालू कर दिया गया है। इत्तुमनुर-कोट्टायम-चिंगावनम (18.54 किमी) खण्ड पर उपलब्ध भूमि में से शेष भूमि का अधिग्रहण संबंधी कार्य और निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

Sk

परियोजना को पूरा करना भूमि अधिग्रहण, वन और वन्य जीव से संबंधित सांविधिक क्लीयरेंस, सेवाओं को शिफ्ट करना, पेड़ काटना, सड़क अनुरक्षण एजेंसियों द्वारा ऊपरी सड़क पुल और निचले सड़क पुल का निर्माण जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

चूंकि शेष भूमि अधिग्रहण के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है, अतः परियोजना को पूरा करने के लिए इस स्तर पर समय-सीमा निर्धारित करना व्यवहार्य नहीं है।

******

Sk